WWW.JANVEENA.COM

हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

☐ वर्ष : 12 ☐ अंक : 48 ☐ लखनऊ, 28 नवम्बर, 2023 ☐ पृष्ठ : 8 ☐ मूल्य : 3 रूपये

सर्वदलीय बैठक में विधानसभा की नई नियमावली का विमोचन

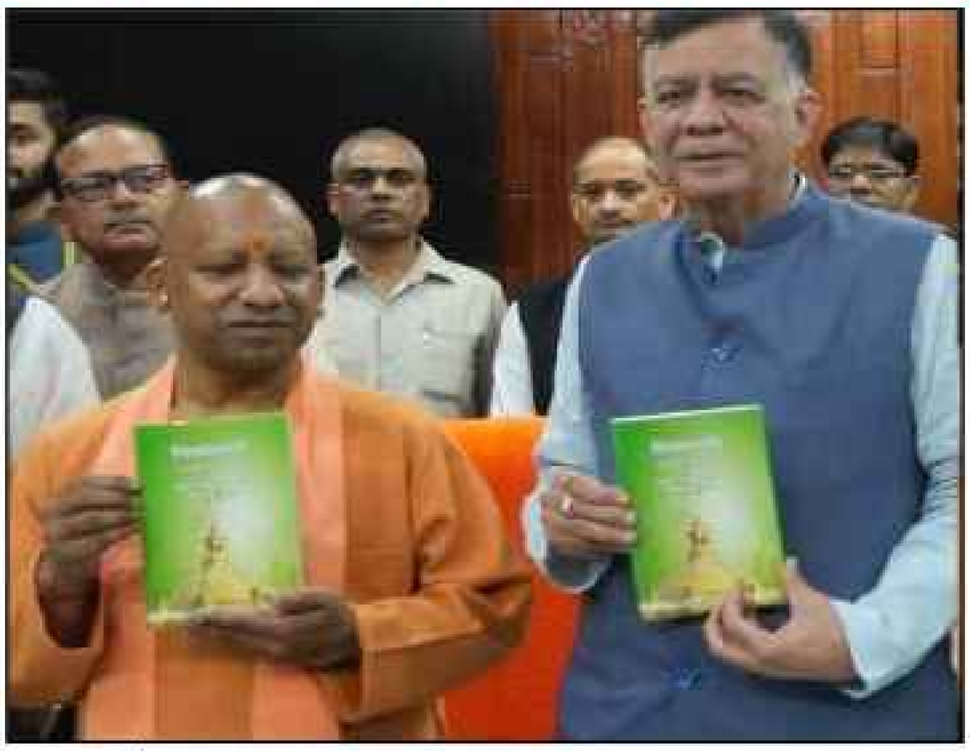

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र की मंगलवार से शुरुआत हो रही है, सदन में इस बार सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। वहीं विधानसभा की कार्रवाई नई नियमावली के तहत संचालित होगी। 65 साल बाद विधानसभा की नई नियमावली तैयार की गई है। इससे पहले आज विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। ऑल पार्टी मीट में सभी दलों के नेता शामिल हुए। विधानसभा को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी हालांकि समाजवादी पार्टी ने अनुपूरक बजट को लेकर सरकार पर निशाना साधा है तो वहीं कांग्रेस का कहना है की नई नियमावली में सदस्यों के सम्मान और सदन की गरिमा को देखते हुए बैलेंस बनाना चाहिए। प्रदेश सरकार की तैयारी 29 नवंबर को सदन में अनुपूरक बजट पेश करने की है। इसका आकार 45000 करोड़ तक का हो सकता है। हालांकि समाजवादी पार्टी की तैयारी अनुपूरक बजट पर सरकार को घेरने की है। समाजवादी पार्टी के विधानसभा में मुख्य सचेतक मनोज पांडेय का साफतौर पर कहना है कि पहले इस पर बहस होनी चाहिए कि जिन विभागों को बजट दिया गया और वह विभाग अपने बजट का 20 फीसदी हिस्सा भी खर्च नहीं कर पाए तो उन्हें बजट मांगने का भी अधिकार नहीं होना चाहिए। और ना ही उन्हें अनुपूरक बजट देने का कोई औचित्य बनता है।

सतीश महाना जब से विधानसभा अध्यक्ष बने हैं उनकी कोशिश है कि कैसे विधानसभा को मॉडर्न लुक दिया जाए। हर बार सत्र से पहले विधानसभा के किसी ना किसी हिस्से की साजो सज्जा की जाती है। इस बार विपक्षी दलों के कार्यालय को सजाया और सँवारा गया है। समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्षी दल है इसलिए उसके कार्यालय का आकार अब बढ़ाया गया है। और हाईटेक लुक दिया गया है। इस नए विधानमंडल कार्यालय का कल विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में उद्घाटन किया जाएगा इस पर मनोज पांडेय का कहना है कि समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्षी पार्टी है नेता प्रतिपक्ष सपा के हैं और समाजवादी पार्टी के विधायकों की संख्या 11 है अगर दूसरे दलों से जिनके विधायकों की संख्या एक है उसे इसकी तुलना की जाएगी तो यह ठीक नहीं है। विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या महज दो है। ऐसे में कांग्रेस विधान मंडल दल कार्यालय के रूप में पहले बड़ा कमरा आवंटित था लेकिन अब कांग्रेस को एक छोटा सा कक्ष अलॉट किया जाएगा। हालांकि कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना का कहना है कि उनके कार्यालय को छीना नहीं गया है बल्कि यह टेंपररी अरेंजमेंट किया गया है। उनके मुताबिक विधानसभा अध्यक्ष पूरे विधानसभा को सजाने और संवारने में जुटे हैं। इस बार उनकी नजर विपक्ष की ओर इनायत है। इसीलिए विपक्ष के भी कार्यालय और कक्ष को वह बनवा रहे हैं। कुछ समय के लिए जब तक कांग्रेस और बीएसपी का कक्ष नहीं बन जाता तब तक एक टेंपरेरी अरेंजमेंट किया गया है। उनका कहना है कि उन्हें लगता है बहुत जल्द उनका कार्यालय उन्हें वापस मिल जाएगा। यूपी विधानसभा में 65 साल बाद नई नियमावली तैयार की गई है। अब सदन की कार्यवाही इस नई नियमावली के तहत संचालित होगी। आज सर्वदलीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नई नियमावली का विमोचन किया। इस नई नियमावली के मुताबिक अब सदन के भीतर सदस्य बैनर पोस्टर नहीं ले जा सकेंगे। साथ ही मोबाइल पर भी पूरी तरह बैन होगा।

चित्रकूट में कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़ा जनसैलाब, मंदाकिनी में 3 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

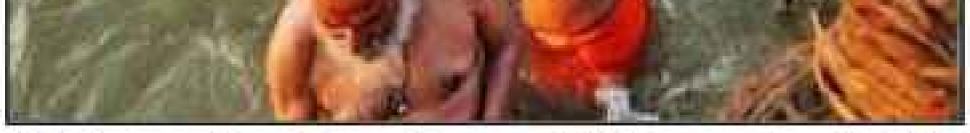

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश में पौराणिक नगरी चित्रकूट में आज यानी सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर धर्मनगरी के मंदाकिनी किनारे स्थित घाटों पर श्रद्धालुओं का सुबह से ही जमावड़ा रहा। तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में डुबकी लगाकर आदिदेव शंकर की पूजा अर्चना की और कामदगिरि की परिक्रमा लगाई।

रामघाट में भरत मंदिर के महंत दिव्य जीवन दास ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा में स्नान करने एवं भगवान भोलेनाथ में जल चढ़ाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है एवं जीवन में सुख समृद्धि आती है। आज के दिन किया जाने वाला दान का लाभ कई गुना अधिक बढ़ जाता है। बता दें कि चित्रकूट में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

संतोषी अखाड़ा के महंत राम जी दास महाराज ने बताया कि चित्रकूट में श्रद्धालुओं की संख्या बीते तीन वर्षों में दो गुना से ज्यादा हो गई है। चित्रकूट की सीमा उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में पड़ती है, लेकिन मध्य प्रदेश में पड़ने वाले चित्रकूट का समुचित विकास नहीं हो पाया है। जबकि उत्तर प्रदेश में पडने वाले चित्रकूट की सीमा का भरपूर विकास हुआ है। उन्होंने चिंता जताई है कि मध्य प्रदेश के हिस्से में विकास की दृष्टि से अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ध्यान देना होगा क्योंकि मध्य प्रदेश में रहने वाले श्रद्धालुओं को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

गुरु नानक जयंती की शुभकामनाएं दी धनखड़ ने

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को गुरु नानक जयंती की शुभकामनाएं दी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा गुरु नानक की शिक्षाएं मानवता के लिए हैं जो एकता, समानता, दयाभाव और निस्वार्थ सेवा पर बल देती हैं। उनका सहिष्णुता और असीमित सद्भाव का संदेश मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

आंध्र प्रदेश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुपति बालाजी के किए दर्शन

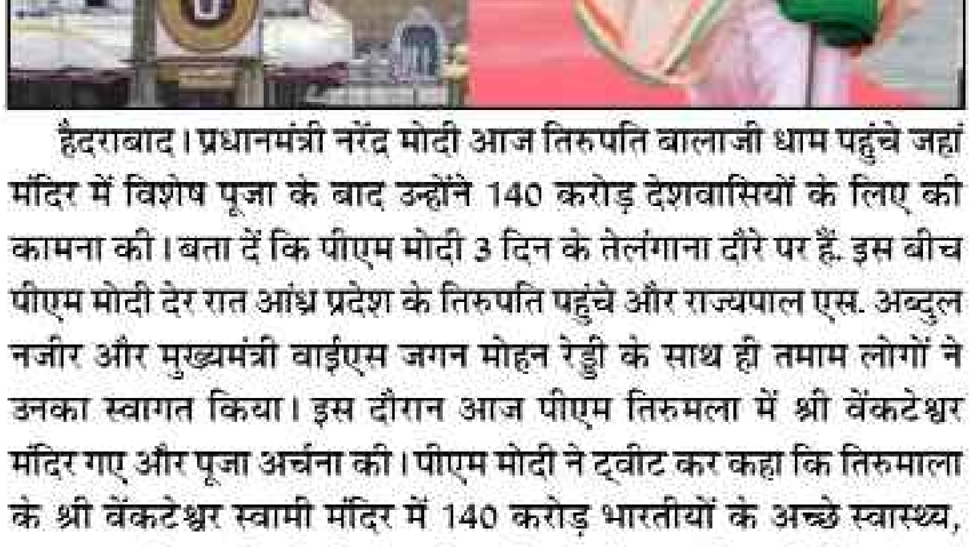

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तिरुपति बालाजी धाम पहुंचे जहां मंदिर में विशेष पूजा के बाद उन्होंने 140 करोड़ देशवासियों के लिए की कामना की। बता दें कि पीएम मोदी 3 दिन के तेलंगाना दौरे पर हैं. इस बीच पीएम मोदी देर रात आंध्र प्रदेश के तिरुपति पहुंचे और राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के साथ ही तमाम लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान आज पीएम तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर मंदिर गए और पूजा अर्चना की। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि तिरुमाला के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के लिए प्राथना की। इसके बाद पीएम मोदी तेलंगाना में चुनावी सभा में शामिल होंगे और जनता को संबोधित करेंगे। पीएम दोपहर करीब 12 बजे महबूबाबाद और करीब 2 बजे करीमनगर में जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

सम्पादकीय

सुरंग में जीवन, तो आस्मां में छवि की तलाश

ऐसे वक्त में जब उत्तरकाशी स्थित सिल्क्यारा की धसकी हुई सुरंग में 14 दिनों से 41 मजदूर फंसे पड़े हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गगन में लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भर रहे हैं। पिछले करीब एक हफ्ते से लग रहा था कि अंधेरी सुरंग में मजदूर कभी भी बाहर आ सकते हैं, लेकिन हर गुजरता दिन बेनतीजा साबित हो रहा है। इन सबसे बेपरवाह मोदी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। एक राज्य से निकलकर दूसरे राज्य में चुनावी रैलियों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान में गुरुवार की शाम को प्रचार अभियान थमने के तुरन्त बाद मोदी मथुरा पहुंचे जहां उन्होंने ब्रज रज उत्सव के नाम से आयोजित मीरा जन्मोत्सव में हिस्सा लिया। फिर वे शुक्रवार की अलसुबह कृष्णजन्मभूमि में उस स्थान पर भगवा वस्त्र धारण कर पहुंचे जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। शनिवार को सुरंग में बचाव अभियान इसलिये रुक गया क्योंकि ड्रिलिंग के दौरान ऑगर मशीन की ब्लेड सरियों से टकराकर टूट गई। अब मलबे को हाथ से हटाये जाने की तैयारी है और मजदूरों को बाहर का सूरज देखने के लिये अभी इंतजार करना पड़ सकता है। यह विडंबना ही है कि बचाव अभियान की समीक्षा करने या मजदूरों की खोज-खबर लेने या फिर इस बाबत कोई बात करने की बजाये पीएम की वरीयता लड़ाकू विमान में बैठकर उड़ान भरने की है। वैसे मोदी नामक फिनोमिना में यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं रह गयी है क्योंकि देश उन्हें पिछले तकरीबन साढ़े नौ वर्षों से यही सब करता हुआ देख रहा है। उनके इस कार्यकाल में अनगिनत घटनाएं ऐसी हुई हैं जिनमें प्रधानमंत्री उन्हें नजरंदाज कर या आवश्यक कार्रवाई न कर गैरजरूरी काम करते हुए दिखे हैं। छोटी-मोटी घटनाओं को एक तरफकर दें तो 20 जवानों को लील लेने वाले पुलवामा में सीआरपीएफकी टुकड़ी पर आतंकी हमला होने के बावजूद मोदी वन्य जीवन पर शूटिंग करने में व्यस्त थे। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कई बार उनसे बात करने की कोशिश की लेकिन वे संचार प्रणाली की पहुंच से बाहर थे। शाम को जब उनसे बात हुई भी तो मोदी ने उनसे चुप रहने के लिये कहा। मणिपुर में उन्हें जाने का कभी भी समय नहीं मिला जो हिंदू मैतेई एवं ईसाई कुकी सम्प्रदायों के परस्पर टकराव से जल रहा है। लगभग आठ महीनों में वहां अनेक हत्याएं हुई हैं। अब भी जारी हैं। हजारों मकान जल गये हैं, बड़ी तादाद में लोग शरणार्थी शिविरों में बसर कर रहे हैं। तो भी वहां जाना तो दूर की बात है, मोदी ने इस बाबत मुंह से तब तक एक शब्द भी नहीं निकाला जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को यह चेतावनी नहीं दे दी कि अगर वह कुछ नहीं करती तो शीर्ष न्यायालय ही कोई कदम उठायेगा। जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें प्रचार के दौरान मोदी ने मुद्दों पर कम बात की और विरोधी दलों के नेताओं पर व्यक्तिगत हमले और उनकी छवि को धूमिल करने के ही अधिक प्रयास किये। मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं- सोनिया-राहुल-प्रियंका गांधी तथा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर मोदी अपने खास सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं स्टार प्रचारकों के साथ विशेष आक्रामक रहे हैं। उनकी छवि पर बड़े हमलों का कारण यह भी है कि मोदी की अपनी छवि लगातार दरक रही है। सिलसिलेवार प्रशासनिक असफलताओं के कारण अब उनकी योग्यता पर सवाल उठने लगे हैं। इनके चलते, प्रमुख प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, जहां मतदान हो चुका है उन सभी में भाजपा की पराजयों के अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं। तीनों राज्यों में स्थानीय नेतृत्व को दरकिनार कर दिया गया है और चुनाव मोदी के चेहरे पर ही लड़ा गया है। ऐसे में आने वाले समय में मोदी की छवि के पूर्णत: ध्वस्त होने की भी पूरी सम्भावना बताई जा रही है। इन तमाम परिस्थितियों में मोदी को अपनी छवि को दुरुस्त करने और नये सिरे से निखारने की जरूरत है। तेजस के कॉकपिट में बैठकर शून्य में मोदी न जाने किसे हाथ लहरा रहे हैं, लेकिन यह बात तो साफहै कि वे अपनी छवि को नयी ऊंचाइयां देने के लिये संघर्षरत हैं जिसे उन्हें अगले वर्ष के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों तक संजोकर रखना होगा। ऐसा न होने पर चुनाव जीतने की बात तो दूर है, उनकी दावेदारी तक को स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसलिये मोदी को क्रिकेट विश्व कप का अंतिम मुकाबला उन्हीं के नाम पर बने अहमदाबाद के स्टेडियम में कराना पड़ता है जबकि ऐसे आयोजनों के लिये मुम्बई का वानखेड़े या कोलकाता का ईडन गार्डन स्टेडियम अपनी ऐतिहासिकता और खेल सन्दर्भों के कारण कहीं अधिक मुफीद माना जाता है। जैसा कि अब खुलासा हुआ है, विश्व कप जीतने पर ट्रॉफी के साथ मोदी की राजस्थान में भव्य यात्रा निकालने की योजना थी ताकि उसका सियासी लाभ लिया जा सके।

सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

डॉ. सत्यवान सौरभ

जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है।सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है - हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मन:स्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है।अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दों के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नही है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नही अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुर्गुणों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मों मे अश्लील, आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मों का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो।स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वो भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है की अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

बदलाव

गाँव बदल गए, लोग बदल गए।
कुछ नए आ गए, कुछ चले गए।।
रहे नहीं महुआ, जामुन अमराई
जहां सोते थे ज़ब चलती थी पुरवाई
पनघट पर ख़नकती थी चूड़ियाँ
आती थी लोगों को जूड़ियाँ
तिलक शादी में सुनाई देते थे मंगल गीत
अब रहीं नहीं वे परम्पराएं वे रीति
न रहे वे हीत मीत
जिनके सँग खेलते थे ताश के पत्ते
कहां चले गए लोनिया बित्ते ?
अब कोई खेलता नहीं सुरपटरी का खेला
लोग पैदल जाते थे देखने दस कोस मेला
और खेलते गुल्ली डंडा
कितने तो बिनती रहती गोबर कण्डा
सबेरे सबेरे मचा रहता था झगड़ा
होती थी पटकी का पटका
रगड़ी का रगड़ा
खाँसते रहते लम्बू काका
किसी को बिगड़ते रहते बगगड़ दादा
भरते चिलम अलगू आसरे
मारते कस पर कस
बात करते सब हँस हँस
होता सुबह शाम गम्मच
बजती समुझ की ढोल और मंजीरा
गाते चैती फाग
चलता राग पर राग
मचता होली में हुड़दंग
लगाते सबको रंग
करते सबको तंग
उड़ता अबीर गुलाल
गाल होते सबके काले लाल
मौसम लेता अंगड़ाई पर अगड़ाई
होता जिससे प्यार उसे से लड़ाई
पर यही अफ़सोस

-डॉ. राकेश ऋषभ

तलाशना है खुद में खुदा

अभी खुद से..बवाल .....बाकी है
वजूद का ....सवाल ......बाकी है
अभी तो दिल का गीत लिखना है
और अभी, सुर-ओ-ताल बाकी है

कहा ....लोगों ने ....जहां फानी है
अपनी आमद..पता .....लगानी है
पता ..ये भी ..अभी .....लगाना है
के कितना ...भरम-जाल बाकी है

अभी ...कुछ चेतना ....जगानी है
क्योंकि..बाकी .अभी ..कहानी है
करम परखने हैं......अभी हमको
गलतियों का.....मलाल..बाकी है

अभी..अन्तर में.....वहम बाकी है
अभी...खुद पे ही...रहम बाकी है
ज्ञान की.......देखनी है ....गहराई
रूह का.......हालचाल... बाकी है
तलाशना है अभी.....खुद में खुदा
भीड़ से भी अभी... .होना है जुदा
अभी तो... गेंद हूं ....जमाने की
व्योम तक की.....उछाल बाकी है

-अशोक अवस्थी, लखनऊ

चुपके से

बेतकल्लुफ़ होकर जो देखा तुम्हें,
हुई रोशन उमंगे चुपके से।

पनघट के चौबारे तुम आओ सही
देखूं जी भर के फिर चुपके से
कहीं उतरती धूप जो गेसू से टकराई
लगा ठहरा हो बादल चुपके से
सुर्खाब रंगों चंपई चेहरा - उफ़
उस पर वो जो ज़ुल्फ लहराई चुपके से।

हमने की सारे जमाने से मौशिकी आकर तुमने गुनगुनाया चुपके से
बासन्ती झोंका जो पिघलकर गुजरा
लहराया रोशनाई आँचल चुपके से
न झपकी पलक सुर्ख़ मौसम हुआ
मिले दोनों के नयन फिर चुपके से।
अब न मैं जवाँ और न तुम हसीं
घेरा परछाइयों ने चुपके से
हम और तुम नहीं है जुदा
प्रेम ने ही मिलाया था चुपके से
ओस की भीगी रातों में बैठे थे हम
जलाया दीपक किसी ने चुपके से।

-अर्चना गुप्ता, लखनऊ

हे गिरधारी! सुनो हमारी...

पनघट है सूना सूना,
सुना है जमुना तट।
सोच में पड़ी है राधा,
कान्हा क्यों ना आए।

भौंरा आकर फूलों पर,
गुनगुनाए गीत सुनाए।
राधा को गीत ना भाए,
अंखियन आंसू बहाए।

काला भौंरा रे तू काहे,
कान्हा की याद दिलाए।
उस छलिये जैसा मुझे,
क्यों गीत गा कर सताए ?

जा चला जा तू द्वारका,
कान्हा को संदेश दे आ।
कान्हा वादा कर तू क्यों,
गोकुल लौट के ना आए ?

बरसा ऋतु आई, काले
बदरा आ के शोर मचाए।
पानी बरसे, नैना बरसे,
माधव बिन चैन ना आए।

कदम्ब डाल झूला पड़ा,
कजरी सखियां गाए।
मेरे मनवा को ना भाएं,
मनवा बिरह गीत गाए।
फूल देख के तितली आई,
डोल रही है बागों में।
राधा रूठी है माधव से,
पनघट पर खोजत आए।

सखियां पूछी बृज रानी से,
किधर गई कहां राधा है।
राधा खोजती प्रीतम को,
वंशी वट कुंजन वन में,
इधर-उधर ढूंढ रही है।

सखियां थक हार कर ,
मोहन से विनती करती।
सुन लो कान्हा बृषभानु
दुलारी वन वन भटक रही है।

संभालो राधे को अब आ भी
जाओ मत सताओ राधे को,
हे गिरधारी अब सुनो हमारी
अब तो गोकुल में आ जाओ।
जमुना तट पर खड़ी है राधे
आकर गले लगा जाओ।

-बृजकिशोरी त्रिपाठी

अंतर्मन की पीर
मैं अकेला दीप जलता, कौन मेरी जलन जाने ?

घोर तम हर ओर से मुझको डराता।
रुख हवाओं का मुझे आंखें दिखाता।
दशायें प्रतिकूल थी, लड़ता रहा मैं,
तिमिर मेरे तेज को कैसे मिटाता ?

किस तरह लड़ता रहा मैं, सिर्फ मेरा बदन जाने।

फूल हूँ मैं, मधुकरों ने किया जूठा।
प्रेम का उपहार मैं सबसे अनूठा।
मैं हमेशा मनाने का बना साधन,
जब किसी साधक से उसका दैव रूठा।

शूल थे हर ओर मेरे, कौन उनकी चुभन जाने ?

-डॉ. दिवाकर त्रिपाठी

दीपों की रोशनी से जगमगाया इस्कॉन

आगरा (यूएनएस)। आगरा में श्रीजगन्नाथ मंदिर में हर तरफश्रद्धा और भक्ति की रोशनी बिखरी थी। श्रीहरि के जयकारे और हर तरफप्रज्ज्वलित 21 हजार दीपों की झिलमिलाती रोशनी और सतरंगी फूलों से श्रीहरि का मंदिर सजाया गया। लक्ष्मी-नरसिंह स्वरूप में भक्तों को आर्शीवाद देने और शांत मुद्रा में श्रृंगारिक श्रीजगन्नाथ जी के अलौकिक दर्शन कुछ भक्तिमय दृष्य था।

सुनो बहू!

बहुअर लिखै पढ़ै का सिखि लेओ जानौ।
नाहीं रही जईहो अनपढ़ हमारी तिना ।

कौनहू लाज सरम तुम ना मानौ
जब चेतौ सवेरा निकस जानौ।
बहुअर लिखै पढ़ै का ......

नई भेजै जो चिठिया तौ बांच सकौ
मनभेद की बतियां लिखि पावौ
बहुवर लिखै पढ़ै का ......

जिस घर की मेहरिया पढ़ी-लिखी
उस घर की सान अलग मानौ।
बहुअर लिखै पढ़ै का......
(प्रौढ़ शिक्षा पर केन्द्रित अवधी कविता)

-डा. भक्ति शुक्ला, लखनऊ

भाव पुष्प प्रभु चरणों में

हे रघुनन्दन हे जग वन्दन !
तुम्हें प्रणाम, प्रभु तुम्हें प्रणाम।

आरत जन प्रभु हेर रहे हैं,
करुण स्वरों में टेर रहे है,
हो भक्तिभाव अविरल अविराम,
तुम्हें प्रणाम प्रभु....

धरा धाम को पावन कर दो,
जन जन मन के कलुष मिटा दो,
आएं वो याचक जन काम
तुम्हें प्रणाम प्रभु...

मर्यादा पुरूषोत्तम कहलाए,
राह तुम्हारी जो अपनाए,
भाव भक्ति करते अविराम,
तुम्हें प्रणाम प्रभु तम्हें...

-आभा शुक्ला, लखनऊ

लोक चौपाल में देवी–देव और लोक–भावना पर परिचर्चा

बजरंगी लाये खबरिया हो राम पहुंचे नगरिया

लोक संस्कृति शोध संस्थान
लोक चौपाल
लोक संवाद की मासिक श्रृंखला
प्राचीन श्री लेटे हुए हनुमान जी मंदिर
संत तुलसीदास सत्संग स्थल

लखनऊ। लोक संस्कृति शोध संस्थान द्वारा गत 26 नवम्बर को आयोजित लोक चौपाल में वक्ताओं ने देवी–देव और लोक–भावना पर विषय पर अपने विचार रखे। रविवार को लक्ष्मण टीला के निकट स्थित लेटे हुए हनुमान जी मन्दिर के रुप में प्रसिद्ध अहिमर्दन पातालपुरी मन्दिर के संत तुलसीदास सत्संग स्थल पर हुई चौपाल में भजनों की सरिता प्रवाहित हुई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ गायिका अर्चना गुप्ता ने मंगलाचरण और रिंकी विश्वकर्मा ने गणेश वन्दना से किया। लखनऊ विश्वविद्यालय भौतिक विज्ञान संकाय की अवकाशप्राप्त आचार्य प्रो. उषा बाजपेयी ने ज्ञान, वैराग्य, भक्ति और सेवा के प्रतिरुप राम दरबार की महिमा बतायी वहीं नवयुग कन्या महाविद्यालय के इतिहास विभाग की अध्यक्ष डा. संगीता शुक्ला ने देवी और देवताओं की लोक व्याप्ति पर अपने विचार रखे।

लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने बताया कि चौपाल में भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। अश्वित रतन ने कलयुग और कृष्ण संवाद की काव्य पंक्तियां सुनायीं। वरिष्ठ लोक गायिका रेखा मिश्रा ने गूंजे सदा जयकार बाबा तेरे भवन में, सरिता अग्रवाल ने चित्रकूट के घाट पर शबरी देखे बाट, शकुन्तला श्रीवास्तव ने बुलालो वृन्दावन गिरधारी, आभा शुक्ला ने मार कंकड़िया मटकी गिराई रे, रिंकी विश्वकर्मा ने बजरंगी लाये खबरिया हो राम आये नगरिया, राखी अग्रवाल ने इतनी शक्ति हमें देना दाता, ज्योति किरन ने हो करम देवता हो, पल्लवी निगम ने लहर–लहर लहराये रे झण्डा बजरंग बली का, अंशुमान मौर्य ने राम कहानी सुनो रे राम कहानी, अनुज श्रीवास्तव ने मैं वारी जाऊँ बाला जी, प्रियंका दीक्षित ने मैं कोने बहाने आऊँ मैय्या तोरे दर्शन को, सुमन पाण्डा ने राम जी के जन्म अयोध्या भईल चहुं ओर मंगल हो, विद्याभूषण सोनी ने सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु, प्रो. उषा बाजपेई ने जीवन को मधुवन बनाते चलो, डा. संगीता शुक्ला ने नीक लागे रे अवध नगरिया तथा भजन गायक गौरव गुप्ता ने हे दुःख भंजन मारूति नन्दन की प्रस्तुति दी। सुप्रसिद्ध कवि अखिलेश त्रिवेदी शाश्वत ने श्वांस श्वांस में बसा है भारतीय जीवन में हिन्दुओं की अस्मिता का गायन है राम नाम जैसे विभिन्न स्वरचित छंद पढ़े। अहिमर्दन पातालपुरी मन्दिर ट्रस्ट के ट्रस्टी ऋद्धि किशोर गौड़ ने मन्दिर के इतिहास व परमार्थ में चलाये जा रहे सेवा प्रकल्पों के बारे में बताया। इस अवसर पर सर्वश्री राजनारायण वर्मा, डा. अनिल गुप्ता, शारदा शुक्ला, प्रो. रामप्रताप यादव, भावना शुक्ला, कैप्टन प्रखर गुप्ता, होमेन्द्र मिश्र, मयंक गुप्ता, अपेक्षिता वर्मा, अवनीश शुक्ला, अंजलि, दिव्यांश, इराज आदि मौजूद रहे।

मथुरा पहुंचे आदित्य ठाकरे और प्रियंका चतुर्वेदी, किया बांके बिहारी के दर्शन

मथुरा महाराष्ट्र सरकार के पूर्व पर्यटन व पर्यावरण मंत्री और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता आदित्य ठाकरे सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मथुरा के बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने बांके बिहारी मंदिर में पूजा–अर्चना की। उन्होंने कहा कि बांके बिहारी मंदिर में पूजा करने के बाद हमें बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। मंदिर में पहुंचने के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर में पूजा करने के बाद हमें बहुत अच्छा महसूस हो रहा है।

हमारा संकल्प था कि पहले राम मंदिर का निर्माण और उसके बाद सरकार। यह संकल्प हमारा पूरा हुआ। कार्तिक पूर्णिमा पर बांके बिहारी के दर्शन करने आए हैं। बांके बिहारी के दर्शन कर हम अपने आप को सौभाग्यशाली मान रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी नेता प्रियंका जी ने उस मंदिर के जीर्णोद्धार का नेतृत्व किया है। उसमें काफी काम किया गया है, वो आज वहां भी जाएंगे। आदित्य ठाकरे के साथ नेता प्रिंयंका चतुर्वेदी भी बांके बिहारी मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंची। उन्होंने कहा, कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हमने (बांके बिहारी मंदिर) के बहुत अच्छे दर्शन किए, जब आप कृष्ण जन्मभूमि आते हैं तो भक्ति की भावना होती है। विपक्ष को बताएं सवाल, हम राजनीति नहीं करेंगे।

कांग्रेस और बीआरएस के बीच तेलंगाना में डील

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच एक गुप्त समझौता है।

उन्होंने दावा किया कि डील के तहत चंद्रशेखर राव को कांग्रेस एक बार फिर तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनने के लिए समर्थन दे रही है और बदले में बीआरएस राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनने में मदद करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद खाली नहीं है। नरेंद्र मोदी 2024 में फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। शाह पार्टी विधायक एटाला राजेंदर के समर्थन में करीमनगर जिले के हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। भाजपा नेता ने कहा कि जब भी कांग्रेस के विधायक चुने गए, वे बीआरएस में शामिल हो गए।

उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ बीआरएस सरकार के खिलाफजनता में गुस्सा है और कोई नहीं चाहता कि केसीआर दोबारा मुख्यमंत्री बनें। शाह ने कहा, बीआरएस को वीआरएस देने और उनकी कार (बीआरएस चुनाव चिह्न) को गैरेज में भेजने का समय आ गया है। उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पर एक होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इनमें से किसी को भी वोट देना भ्रष्टाचार और परिवारवाद के लिए वोट होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने तीनों पार्टियों पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में शामिल होने का भी आरोप लगाया और कहा कि उनके लिए वोट रजाकारों के समर्थकों के लिए वोट होगा। शाह ने दोहराया कि केसीआर हैदराबाद मुक्ति दिवस का समर्थन नहीं कर रहे हैं। वह एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से डरते हैं।

मध्यम कद के शहरों का स्मार्ट सिटी में परिवर्तन

संजीव ठाकुर

बड़े विदेशी शहरों के अनुरूप भारत में भी ऐसे बड़े शहरों की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके। ऐसे शहरों को स्मार्ट सिटी का नाम दिया जा रहा हैस जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकेस और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे-बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके।, आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया हैस पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के मेट्रोपॉलिटन शहरों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है ? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती हैस यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी, भोजन, घर आदि की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना में विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है।

उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान-प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाई यों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा। देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा ।परंतु इस नई परियोजना को मूर्त रूप देने में कई विघ्न बाधाएं एवं चुनौतियां भी हैं। जनता निर्विवाद रूप से कठिनाइयों से निपटने के बाद ही सपनों के शहर को बस बसाना आसान होगा। इन प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देकर अपना योगदान दें, तो निश्चय ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्मित हो सकेगी ।और आम नागरिकों को जन सुविधाओं के साथ भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा।

लोकतंत्र बनाम लोभतंत्र

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में लोकलुभावने वायदों और गारंटियों का जो कोलाहल सुना जा रहा है, वह कालांतर देश के आर्थिक अनुशासन व योग्य जनप्रतिनिधियों के चयन के लिये एक चुनौती बन सकता है। इसमें दो राय नहीं कि सामाजिक न्याय के लिये समावेशी विकास वक्त की जरूरत है, लेकिन वह जुमलों से परे कमजोर वर्गों के स्थायी कल्याण के लिये होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि रेवड़िया बांटने का खेल देश में पहले नहीं होता था, लेकिन आज जिस पैमाने पर हो रहा हैं, वह हर देशभक्त की चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं, मुफ्त की गारंटियों का यह खेल जवाबदेह प्रशासन व आर्थिक स्थिरता पर कालांतर गहरी चोट करेगा। वहीं ये गतिविधियां एक जिम्मेदार लोकतंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। यह विडंबना है कि लोग जनप्रतिनिधि की योग्यता की प्राथमिकता को दरकिनार करके संकीर्ण सोच के लाभों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इस दूषित परंपरा से राजनेताओं और जनता का प्रलोभन विस्तार ले रहा है। यह टकसाली सत्य है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से हमारी अर्थव्यवस्था व विवेकशील सुशासन पर घातक असर पड़ता है। अंततरू रेवड़ी संस्कृति का आर्थिक दबाव सरकारी संसाधनों पर पड़ता है। राज्यों के आर्थिक संसाधन सीमित हैं। ऐसे में बांटा गया धन कालांतर हमारे बुनियादी ढांचे व विकास परियोजनाओं के लिये निर्धारित धन में कटौती करता है। निश्चित रूप से समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक संबल दिया जाना चाहिए। लेकिन जरूरत ठोस आर्थिक विकास व रोजगार के अवसर सृजन की होनी चाहिए। वक्त की जरूरत है कि मतदाताओं को लालीपॉप देने के बजाय उन्हें ऐसे अवसर दिये जाने चाहिए ताकि वे कालांतर आत्मनिर्भर बन सकें। फिर वे देश के आर्थिक विकास में स्थायी योगदान दें। लेकिन इस तरह मुफ्त की योजनाओं और गारंटियों से सिर्फ हमारा राजकोषीय घाटा ही बढ़ेगा। मतदाता यदि किसी राजनीतिक दल की दूरगामी नीतियों व विकास योजनाओं को नजरअंदाज करके तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देगा तो भविष्य में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। मतदाता का लोभ हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी संकट में डालता है। जाहिर बात है कि मुफ्तखोरी की संस्कृति के बूते सत्ता में आने वाला नेता कालांतर सरकारी संसाधनों के दोहन को अपनी प्राथमिकता बनायेगा। जो धन उसने चुनाव के दौरान बांटा है उसका कई गुना येन-केन-प्रकारेण वसूलेगा। जिससे लोकतंत्र में लूटतंत्र की मानसिकता को प्रोत्साहन मिल सकता है। सही मायनों में मुफ्त के उपहारों की हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विफलता है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हम अपने लोकतंत्र को इतना सजग व समृद्ध नहीं बना पाये कि मतदाता अपने विवेक से अपना दूरगामी भला-बुरा सोचकर मतदान कर सकें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति प्रशिक्षार्थियों दिए प्रमाण पत्र

लखनऊ (यूएनएस)। श्री रघुवर दयाल पाठक इण्टर कालेज में विगत दिनों से चल रहे मिशन शक्ति 2.0 उ.प्र. सरकार एवं यूपिकॉन द्वारा नारी सुरक्षा और स्वावलम्बन के अन्तिम दिवस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण में भाग लेकर विभिन्न विषयों पर जानकारी देकर महिलाओं में जागरूकता पैदा करने के साथ उनके ज्ञान का विस्तार किया गया। मिशन शक्ति 2.0 समापन समारोह के दौरान ग्रामीण महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर प्रशिक्षण को सफल बनाया तथा सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

इस मौके पर मुख्य अतिथि संजय कुमार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, इटावा ने उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नारी सम्मान के बिना किसी का कल्याण सम्भव नहीं है। सरकार द्वारा मिशन शक्ति 2.0 का प्रशिक्षण यूपिकान, लखनऊ द्वारा दिलाया गया। यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। महिलाओं को पुरूष के साथ मिलकर कन्धे से कन्धे मिलाकर कार्य करना चाहिए। जिस उद्देश्य को लेकर यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है उसकी जानकारी अपने गॉव व आस-पास के महिलाओं को जानकारी देकर जागरूक करें। सभी महिलाएं अपने और कर्तव्यों को समझें। जिन छात्राओं ने प्रशिक्षण लिया वे भी जन-जन तक कार्यक्रम पहुंचाएं तथा सरकार की उपेक्षाओं पर खरा उतरें। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अनजान व्यक्तियों से बचें। झूठी शिकायतें न करें तथा उंन्हे सफलता के सूत्रों के बारे में बताया। सचिन कुमार, प्रधानाचार्य श्री रघुवर दयाल पाठक इण्टर कालेज, जाखन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपने पैरों पर खड़ा होना जरूरी है तभी वह आत्मनिर्भर बनेंगी और अपनी आय बढ़ाने के साथ अपने परिवार का जीवन स्तर भी ऊंचा कर सकेंगी।

इन्टर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्राफी सेंटमेरी कालेज इटावा ने जीती

इटावा। सेंट थॉमस एजुकेशन एंड मेडिकल सोसाइटी इटावा के अंतर्गत सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा के तत्वावधान में ज्योतिबा फुले स्टेडियम में हुई तीन दिवसीय इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा एवं सेंट फ्रांसिस एकेडमी औरैया के बीच हुआ जिसमें सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा ने नौ विकेट से मैच जीतकर ट्राफी पर कब्जा किया।

फाइनल मैच का शुभारंभ इटावा के समाजसेवी वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र भसीन ने मुख्य अतिथि के रूप में फाइनल में आईं दोनो टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय लेकर कराया सेंट फ्रांसिस एकेडमी औरैया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन बनाए जिसमें कप्तान आयुष ने शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को 116 रनों का योगदान दिया इसके जवाब में सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा की टीम के खिलाड़ियों ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए मात्र एक विकेट खोकर 160 रनों का लक्ष्य आसानी से पूरा कर लिया इसमें इटावा की टीम के खिलाड़ी मोहित यादव ने 86 रनों का शानदार योगदान दिया उसे मैन ऑफ द मैच भी घोषित किया गया मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार प्रतियोगिता में तीन शतक बनाने वाले औरैया टीम के धुआंधार बल्लेबाज आयुष भदौरिया को दिया गया ट्राफी और अन्य पुरस्कार मुख्य अतिथि राजेंद्र भसीन,सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा के प्रिंसिपल फादर जोबी जोसेफ वाइस प्रिंसिपल फादर बिबिन एवं सेंट फ्रांसिस एकेडमी औरैया के प्रिंसिपल फादर एंटोनी चाको द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए।

इस तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल दस टीमों ने भाग लिया,जिनमें पहले दिन पहला प्री क्वार्टर फाइनल सेंट जेवियर इंटर कॉलेज चकरनगर तथा सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा की टीम के बीच हुआ,जिसमें सेंट मेरी इटावा की टीम विजई रही दूसरा प्री क्वार्टर फाइनल सेंट डोमिनिक्स कालेज शिकोहाबाद एवं सेंट फ्रांसिस औरैया के बीच हुआ जिसमें औरैया की टीम विजई रही इसके बाद दूसरा क्वार्टर फाइनल सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज दिबियापुर एवं सेंट पीटर्स कॉलेज जसवंत नगर के बीच हुआ जिसमें दिबियापुर ने विजय हासिल की। दूसरे दिन के मैचों में पहला क्वार्टर फाइनल सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा एवं सेंट एंथोनी फतेहगढ़ के बीच हुआ जिसमें इटावा की टीम विजई रही। चौथा क्वार्टर फाइनल सेंट फ्रांसिस एकेडमी औरैया तथा सेंट थॉमस कालेज मैनपुरी के बीच हुआ जिसमें औरैया की टीम ने मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रथम सेमीफाइनल मैच सेंट मेरी इंटर कॉलेज इटावा एवं सेंट जोसेफ दिबियापुर के बीच हुआ जिसमें इटावा की टीम जीतकर फाइनल में पहुंचीं शनिवार को हुए फाइनल में सेंट मेरी इंटर कालेज इटावा की टीम ने औरैया की टीम को नौ विकेट से हराकर प्रतियोगिता की ट्राफी हासिल की। प्रतियोगिता को सफल बनाने में जीनो के.जोसेफ,इन्टर स्कूल कोऑर्डिनेटर अभिनव डेविड,प्रताप भानु (कोच) सत्येंद्र सेंगर,विवेक यादव,सत्येंद्र पाल,अंपायर प्रकाश शर्मा,गोपाल ठाकुर,शिवा एवं सिद्धार्थ गौतम,स्टेडियम कॉर्डिनेटर शिवांग तिवारी व रोशन,रमेश का सराहनीय सहयोग रहा संचालन विनीत लाल तथा कमेंट्री अग्रिम तिवारी, स्वयं सिंह व अक्षत भदौरिया ने की।

व्यापारियों ने की ऑनलाइन फूड चेन सप्लाई की सेंपलिंग नियमानुसार करने की मांग

इटावा- खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय स्टेयरिंग सिमिति की बैठक उपजिलाधिकारी कौशल किशोर की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय में आहुत की गयी जिसमें डी ओ सतीशचंद्र शुक्ला नें बताया गया कि पिछली तिमाही में फूड एक्ट के अन्तर्गत छः लाख बावन हजार का जुर्माना लगाया गया है, उन्होंने बताया कि शासन के निर्देश पर शराब की दुकानों के भी फूड लाईसेंस अनिवार्य हैं, जिले में कुल 254 शराब की दुकानों के सापेक्ष अभी 50 दुकनदारों नें ही फूड लाईसेंस बनवाये हैं,वे जल्द लाईसेंस बनवा लें

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित नें कहा कि खाद्य पदार्थों की पैकिंग पर आवश्यक सूचना के लिए माप तोल विभाग की पी.सी.आर. एक्ट बना हुआ है, जिसके माध्यम से सभी पैकिंगों पर छपी सूचना की जाँच की जाती है, वर्तमान में फूड एक्ट की लैब में भी पैकिंग एवं लेबलिंग एक्ट में खाद्य पदार्थों का सैम्पल पास होने के बाद भी सैम्पल का मिस ब्रांडेड या अद्योमानक घोषित किया जा रहा है। एक ही विषय पर दो विभागों से जॉच, सजा व जुर्माना उचित नहीं है, इसलिए फूड एक्ट में पैकिंग एण्ड लेबलिंग के चालान समाप्त करने की व्यवस्था की जाए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारी मात्रा में खाद्य पदार्थों का व्यापार ऑनलाइन फूड चेन सप्लाई व मल्टी नेशनल कम्पनियों के द्वारा किया जा रहा है, परन्तु ऑनलाइन फूड सप्लाई के डिलीवरी करने वाले व्यक्तियों के पास फूड लाइसेंस नहीं है। अत: आपसे अनुरोध है कि सभी ऑनलाइन व फूड चेन सप्लाई डिलीवरी करने वाले व्यक्तियं के खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों के अनुसार रजिस्टैशन व लाइसेंस बनवाये जाने के आदेश पारित करने की कृपा करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मल्टी नेशनल कम्पनी व फूड सप्लाई चेन के डिलीवरी होने वाले सामानों की सैम्पलिंग नहीं की जा रही है। अत: आपसे अनुरोध है कि ऑनलाइन फूड सप्लाई चेन की सैम्पलिंग भी नियमानुसार की जाये, जिससे आम जनता को सही सामान मिलना सुनिश्चित हो सके।

उद्योग मंच के जिलाध्यक्ष भारतेन्द नाथ भारद्वाज ने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में निर्माताओं से ऑनलाइन सालाना व छमाही रिटर्न मॉगी जा रही है। निर्धारित समय पर जमा न करने पर रू0 100 प्रतिदिन लेट फीस लगाई जा रही है। कुटीर घरेलू व मझोले उद्योग इसकी पूर्ति न कर पाने के कारण नष्ट हो जाएंगे। अत: आपसे अनुरोध है कि 5 करोड़ तक टर्न ओवर वाले निर्माताओं से ऑनलाइन सालाना व छमाही रिटर्न की व्यवस्था समाप्त करने की कृपा करें। जिलाकोषाध कामिल कुरैशी, जिलाउपाध्यक्ष अशोक जाटव सहित खाघ अधिकारी कमालुद्दीन, औषधि निरीक्षक, डीप्टी सीएमओ आदि अधिकारी मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकने के उद्देश्य से स्कूल में हुई जागरूकता गोष्ठी

इटावा। उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के निर्देश के क्रम में बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम शनिवार को सन्त विवेकानंद सी0से0 पब्लिक इण्टर कॉलेज, आलमपुर हौज, में आयोजित किया गया यह जानकारी बाल संरक्षण अधिकारी सोहन गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह के निर्देशन में स्कूलों व कालेजों में गोष्ठियों का आयोजन कर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जाएगा साथ ही पुलिस टीम भी समय-समय पर गांव में गश्त देखें कि बाल विवाह न हो। पकड़े जाने पर तुरंत कार्रवाई करें। आम जन को बाल विवाह के संबंध में टोल फ्री नंबर-1098, 112 व 18001805047 पर जानकारी किस प्रकार दें इस पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता कार्यक्रम में सह प्रविष्टि प्रचालक अशफाक अहमद, प्रभारी निरीक्षक ।।द्वारा बाल विवाह , ट्रैफिकिंग, बाल श्रम, हेल्पलाइन नम्बर आदि विषयों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई और बच्चों और और शिक्षक शिक्षकों को बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए शपथ भी दिलाई गई। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिल्ली की जंग की पटकथा लिखेंगे पांच राज्यों के चुनाव नतीजे!

लखनऊ(यूएनएस)।लोकसभा चुनाव में बहुत ज्यादा समय नही बाकी है, इसलिए सभी सियासी पार्टियां अपनी रणनीति पर काम शुरू कर चुकी हैं। लेकिन मिशन 2024 को लेकर गतिविधियों और समीकरणों के बनने, बिगड़ने और बदलने का क्रम पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद तेज हो जायेगा। चुनाव भले ही असेम्बली के हुए हैं लेकिन इनके परिणाम दिल्ली की जंग की पटकथा लिखने वाले हैं। एनडीए बनाम इंडिया की जंग में कौन किसके साथ होगा, यह भी तय हो जायेगा। अभी तो पक्ष ही नही विपक्ष के बयानों से भी कुछ साफनही है तल्ख टिप्पणी का दौर कम नही हो रहा है लेकिन राजनीति में कुछ भी हो सकता है।जो आलोचना करते थकता नही,यार बन सकता है और जो कसीदे पढ़ रहा है पलक झपकते ही दूसरे खेमे में जा धमके। पांच राज्यों के चुनाव निपटने से पहले ही लोकसभा चुनाव के लिए दांव-पेंच शुरू हो चुके हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया में क्षेत्रीय दलों ने लामबंदी की कवायद शुरू कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कल रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई पहुंच गए, जहां वे पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के प्रतिमा अनावरण समारोह में वे विशिष्ट अतिथि रहे। डीएमके नेता और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के साथ सियासी चर्चा जरूर की होगी। अखिलेश पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से भी मुलाकात कभी भी हो सकती है।ममता बनर्जी का अखिलेश यादव के प्रति हमेशा से साफ्ट कार्नर रहा है, ऐसा देखा गया है।इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा इन राज्यों के चुनाव परिणामों पर भी निर्भर करेगा। स्वाभाविक है कि कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहने पर अधिक सीटों के लिए दबाव होगा। अन्य दल बाद चुनाव परिणाम विश्लेषण सीट चाहेंगे।मध्य प्रदेश के चुनाव में सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख हुए, उसका असर यूपी की लोकसभा सीटों के बंटवारे पर पड़ सकता है। सपा सूत्रों के मुताबिक सीटों की साझेदारी के पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। चाहे वह कांग्रेस के साथ रहा हो या फि बसपा के साथ। क्षेत्रीय दलों को गठबंधन राजनीति का एक खतरा अपना वोट बैंक खिसकने का भी रहता है। इसका उदाहरण कम्युनिस्ट पार्टियां हैं, जो 60 व 70 के दशक में लोकसभा की 4-5 सीटें जीतती थीं, लेकिन 1989 में जनता दल के साथ गठबंधन में गई और उनका वजूद खत्म। गठबंधन के खतरे राजनीतिक दल बेहतर समझते हैं। कांग्रेस ताकतवर होती है तो आंख दिखाने से गुरेज नहीं करती। इसीलिए समान सोच की क्षेत्रीय पार्टियां इंडिया गठबंधन में होने के बावजूद अपना मजबूत फ्रंट चाहती हैं ताकि कांग्रेस हावी न रहे। चुनाव के बाद भी बड़े बड़े फेरबदल हो जाते हैं। राजनीति में रातोरात समीकरण उलट पुलट हो जाते हैं। लेकिन यह तय है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे देश की भावी राजनीति का रूख मोड़ सकते हैं।

किसी को नही होना पड़ेगा निराश: केशव

लखनऊ (यूएनएस)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित गति से निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया। उन्होने जन सुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनता दर्शन में बुजुर्ग, महिलाएं, पुरूष एवं दिव्यांग सहित सैकड़ों लोगों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्यायें बतायी। बतायी गयी समस्याओं में मुख्य रूप से विद्युत, मार्ग चौड़ीकरण सड़क निर्माण, आवास दिलाने, अवैध कब्जा, कानून व्यवस्था, रास्ता खुलवाने, विकास कार्य, मारपीट, राजस्व ,अतिक्रमण, जमीनी विवाद, चिकित्सा सहायता आदि थीं। उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आये तमाम लोगों के पास स्वयं जाकर उनकी समस्याएं सुनीं एवं प्रार्थना पत्र भी लिये। कई लोगों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने शासन के उच्चाधिकारियों, जिलाधिकारियो व पुलिस अधीक्षको सहित कई अधिकारियों से दूरभाष पर भी वार्ता की। उप मुख्यमंत्री ने फरियादियों को विश्वास दिलाया कि किसी को निराश नहीं होना पड़ेगा, सबकी समस्याओं का समुचित समाधान कराया जायेगा।

अभ्यर्थियों ने ओपी राजभर के आवास का किया घेराव

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थी दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। कोई भी ऐसा दरवाजा नहीं है जहां पर शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों के लिए गुहार न लगायी हो। लेकिन हर बार इन अभ्यर्थियों को आश्वासन दे दिया जाता है। यही नहीं कई बार इन्हें पुलिस की लाठी-डंडो का भी सामना करना पड़ता है। लेकिन इनकी मांगों पर कोई भी ध्यान देने वाला है। वहीं अब नियुक्ति पत्र न मिलने से नाराज 69 हजार शिक्षकों में से आरक्षित 6800 अभ्यर्थियों ने सोमवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। बड़ी संख्या में शिक्षक अभ्यर्थियों ने सुभासपा अध्यक्ष के आवास के बाहर जमकर नारेबाजी की। अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लेकर सुभासपा अध्यक्ष के आवास के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। वहीं ओमप्रकाश राजभर ने आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। सुभासपा अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों को आश्वासन देते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर शिक्षक अभ्यर्थियों की नियुक्ति की मांगों के बारे में चर्चा करेंगे। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि वह विधानसभा सदन में भी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने का मुद्दा उठायेंगे। साथ ही उन्होंने इस मामले को लेकर सपा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा।

विद्युत उपभोक्ताओं को मुआवजा कानून लागू होने का इंतजार

लखनऊ (यूएनएस)। स्वंत विद्युत बिल बनाए जाने की व्यवस्था लागू किए जाने पर प्रदेष उपभोक्ता परिषद देर से अमल पर लगाए गए इस व्यवस्था का स्वागत करते हुए प्रदेश में चार वर्ष पूर्व बनाए गए उपभोक्ता को मुआवजा कानूनन तत्काल लागू कराये जाने की मांग की है। आज से लगभग 7 साल पहले 27 मई 2016 को प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए ट्रस्ट बिलिंग का कानून उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की तरफ से बनाया गया था देर से ही सही लेकिन अंतत अब नए ऐप के माध्यम से इसका विधिवत शुभारंभ ऊर्जा मंत्री द्वारा किया गया। निश्चित तौर पर देर से ही सही लिया गया उचित फैसला है इसका उपभोक्ता परिषद स्वागत करता है लेकिन उपभोक्ताओं को विधिवत न्याय देने में 7 साल लग गया इस पर बिजली कंपनियों को गंभीरता से सोचना चाहिए ? उपभोक्ता परिषद के अनुसार इसी प्रकार प्रदेश में वर्ष 2019 में बने मुआवजा कानून को आज 4 साल बाद भी विधिवत रूप से लागू नहीं किया गया यह नहीं पता कि यह विधिवत रूप से कब लागू होगा। लेकिन इस बात की चिंता जरूर होती है कि जब प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए कोई नया कानून बनाया जाता है उसका लाभ सही मायने में विद्युत उपभोक्ताओं को मिले उस पर बिजली कंपनियां उदासीन हो जाती है।

गुजरात में बिजली गिरने से 23 लोगों की गई जान

अहमदाबाद। गुजरात में पिछले 24 घंटों में विभिन्न क्षेत्रों में बेमौसम बारिश के दौरान बिजली गिरने से 23 लोगों की मौत हो गयी तथा 23 अन्य लोग जख्मी हो गये। आपदा राज्य नियंत्रण के निदेशक सी सी पटेल ने बताया कि राज्य में बेमौसम हुयी मूसलाधार बारिश के दौरान बिजली गिरने से 23 लोगों की मौत हुयी है तथा कयी लोग जख्मी हुये हैं। इस दौरान राज्य में 71 पशुओं की भी मौत हुयी है। भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर गुजरात के अमरेली, सुरेन्द्रनगर, मेहसाणा, बोटाड, पंचमहल, खेड़ा, सबरकांठा, सूरत और अहमदाबाद जिलों में पड़ा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश पटेल ने बेमौसम बारिश के कारण गुजरात में हुयी जान-माल की हानि पर शोक व्यक्त किया है।

पावर ऑफिसर एसोसिएशन मेरठ में करेगा क्षेत्रीय प्रांतीय सम्मेलन

लखनऊ(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन की प्रांतीय कार्य समिति की आज एक आवश्यक बैठक फील्ड हॉस्टल कार्यालय में संपन्न हुई। सभी बिजली कंपनियों में संगठन को मजबूत करने की दिशा में विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मत से यह पारित किया गया कि सभी बिजली कंपनियों मे पावर ऑफिसर एसोसिएशन अपना क्षेत्रीय सम्मेलन करेगा। पहला क्षेत्रीय प्रांतीय सम्मेलन पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम में मेरठ मुख्यालय पर 3 दिसंबर दिन रविवार को 11 बजे बुलाया गया है। जिसमें पूरे पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के दलित व पिछला वर्ग के अभियंता कार्मिक भाग लेंगे। जिसमें कंपनी की क्षेत्रीय समस्याओं एसोसिएशन सदस्यों की लंबित मांगों पर गहनता से विचार विमर्श कर आगे क्या कार्रवाई की जाए पर भी अहम निर्णय होगा। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन अपने क्षेत्रीय सम्मेलन में अपने सभी अभियंता कार्मिकों को बिजली कंपनियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में क्या अहम प्रयास किए जाने चाहिए के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा करेगा जिससे उपभोक्ता सेवा में व्यापक सुधार की दिशा में संकल्प लिया जा सके। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष पीएम प्रभाकर, सचिन आर पी केन, संगठन सचिव बिंदा प्रसाद, हरिश्चंद्र वर्मा, राजेश कुमार, घनश्याम, दया निधि किंकर ने कहा सभी क्षेत्रीय प्रांतीय सम्मेलन में पावर ऑफिसर एसोसिएशन के केंद्रीय पदाधिकारी भाग लेंगे।

बुखार पाले नहीं, अस्पताल जाकर उपचार करायें- ब्रजेश

चन्दर नगर में 50 शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय जनता को समर्पित

लखनऊ (यूएनएस)। चन्दर नगर, आलमबाग के 50 शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय का सोमवार को उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने उद्घाटन किया इसके साथ ही उन्होंने उन्नाव ब्लॉक-बीघापुर में 100 शैय्या चिकित्सालय,बिजनौर धामपुर में 100 शैय्या चिकित्सालय, चित्रकूट के खोह में 200 शैय्या युक्त एमसीएच विंग, जनपद कन्नौज में 02 सीएचसी उर्मदा एवं समधन, उन्नाव की रसूलपुर एवं शमली की जसाला तथा हापुड़ की सिखैड़ा सीएचसी को वीडियो कान्फ्रेन्सिंग द्वारा लोकार्पण एवं जनता को समर्पित किया उप मुख्यमंत्री श्री पाठक ने कहा कि प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक सुधार लाने के लिये कटिबद्ध है। सरकार की मंशा है कि स्वास्थ्य की सेवायें हर व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि 50 बेड के इस चिकित्सालय का पूर्ण सेउपयोग करें। यह अस्पताल राजकीय निर्माण निगम के सहयोग से बना है। इसके साथ ही उपस्थित जनता को हिदायत है कि बुखार हो तो पाले नहीं, तत्काल अस्पताल आयें और चिकित्सक से जॉच एंव उपचार करायें उन्होंने बताया कि प्रदेश में 5.45 लाख से अधिक टीबी रोगियों को खोजकरदेश में प्रथम स्थान बनाया जो कि देश के कुल टीबी मरीजों का 25 प्रतिशत है। उन्होंने टीबी कार्यक्रमों को सराहा और उत्कृष्ठ कार्य करने वालेजिलो को भी सम्मानित किया।

वर्ष 2023 में टीबी केस में 85 प्रतिशत सेज्यादा कमी लाने वाले जनपदों एटा, सम्भल, शामली को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया, इन जिलों द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। इसके अलावा वर्ष 2022 में 40 प्रतिशत कमी लाने वाले जिलो जालौन, पीलीभीत एवं मुजफ्फरनगर को रजत पदक तथा, 20 प्रतिशत कमी लाने वाले जिलो बलरामपुर, हापुड़, कौशाम्बी, उन्नाव एवं सोनभद्र कांस्य पद देकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य सचिव, रंजन कुमार द्वारा डिजीटल मशीन कीउपयोगिता एवं टेली कन्सलटेशन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर अन्य जिले वीडियो कान्फ्रेन्सिग से जुड़े रहे। इस मौके पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 11 लाभार्थियों को उप मुख्यमंत्री द्वारा आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अन्त में स्वास्थ्य महानिदेशक, डा दीपा त्यागी द्वारा सभी का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया गया इस अवसर पर परिवार कल्याण, महानिदेशक डा बृजेश राठौर, महानिदेशक प्रशिक्षण डा0 शैलेश श्रीवास्तव, निदेशक चिकित्सा उपचारडा0 केएन तिवारी, स्टेट टयूबरकुलोसिस आफिसर डा0 शैलेन्द्र भट्नागर, कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी-डा0 बीएन यादव, भाजपा युवा नेता नीरज सिंह, 50 शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय, चन्दर नगर, आलमबाग, लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 एके सिंघल, चिकित्सा अधीक्षक डा अनिल कुमार दीक्षित एवं समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्साअधिकारी डा0 ए0पी0 सिंह, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 के0डी0 मिश्रा, जिला स्वास्थ्य एवं शिक्षा अधिकारी योगेश रघुवंशी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सतीश यादव सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, सेण्टर फॉर एडवोकेशी एण्ड रिसर्च के प्रतिनिधि मौजूद थे। अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

योगी कैबिनेट के मंत्रियों की बैठक में देंगे दिशा निर्देश

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 28 नवंबर को अपने मंत्रियों की बैठक बुलाई है। इसमें वह अपने मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों को खास संदेश देंगे। उनसे कामकाज की जानकारी ली जाएगी। सीएम उन्हें आगे की कार्ययोजना के बारे में बतायेंगे। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मंत्रियों को सरकार की योजनाओं के प्रभावी अमल के विशेष काम में लगाया जा सकता है।विधानसभा सत्र में पेश होने वाले अनुपूरक बजट के मसौदे को पहले कैबिनेट से पास कराया जाएगा। इसके लिए 28 नवंबर को लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई गई है और उसके बाद मंत्रिमंडल की बैठक होगी। इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री राज्यमंत्रियों को खास तौर पर आगे की कार्ययोजना के बारे में बताएंगे। मंत्रियों को आने वाले वक्त में योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। इसमें विधानमंडल सत्र के बाद जनता के बीच जाने, समस्याओं के निराकरण, संवाद संपर्क बढ़ाने पर जोर रहेगा। राज्यमंत्रियों को लोकसभा चुनाव के मुद्देनजर अपने जिले और प्रभार वाले जिले में विकास का एजेंडे के प्रभावी अमल के बाबत निर्देश दिए जा सकते हैं। कैबिनेट की बैठक में अनुपूरक बजट के अलावा कुछ विधेयकों के मसौदे को मंजूरी दी जायेगी। औद्योगिक विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, माध्यमिक शिक्षा व वित्त विभाग के प्रस्ताव मंजूर कराए जा सकते हैं।

शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की 28 नवंबर से शुरुआत होगी। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इसमें योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा सरकार के सहयोगी दल और विपक्षी दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। 28 नवंबर से शुरू होने वाले विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर विधानसभा सत्र संचालन का एजेंडा भी तय किया गया। वही आज सर्वदलीय बैठक मे कांग्रेस और बसपा कक्ष की मांग की। दरअसल विधानभवन मे बसपा और कांग्रेस के कार्यालय कक्ष खत्म कर केबिन अलार्ट किया है जोकि सदस्य संख्या के हिसाब से मिला है।विधानसभा मे कांग्रेस के दो और बसपा का एक सदस्य है। इस बार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में योगी सरकार वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।